II–PRE BOARD EXAMINATION

CLASS : XII (ISC)

HINDI

(Maximum Marks: 80)

(Time allowed: 3 hours)

Candidates are allowed an additional ***15 minutes*** *for only reading the paper.*

They must ***NOT*** *start writing during this time.*

Answer questions ***1, 2*** *and* ***3*** *in* ***Section-A*** *and* ***four*** *questions from* ***Section -B***

on at least ***three*** *of the prescribed textbooks.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION - A

LANGUAGE [40 Marks]

Question 1

Write a composition in approximately 400 words in Hindi on any one of the topics given below : [15]

किसी एक विषय पर हिन्दी में निबन्ध लिखिए, जो 400 शब्दों से कम न हो :–

(i) आपके विचार में भारत में कृषि का विकास राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को कैसे प्रभावित कर सकता है ?

(ii) समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के लिए कड़े कानून की नहीं बल्कि नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है–विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।।

(iii) देश के प्रधानमंत्री का पद अत्यंत आदरणीय एवं जिम्मेदारी से पूर्ण होता है। यदि आप देश के प्रधानमंत्री बन जाएँ तो इस गरिमामयी पद की जिम्मेदारी को किस प्रकार पूरा करेंगे। वर्णन कीजिए।

This paper consists of 8 printed pages.

(iv) नारी –माँ, बहन, पत्नी तथा बेटी हर रूप में आदरणीय है। –विवेचना कीजिए।

(v) विज्ञापन जहाँ नए उत्पादों की जानकारी उपभोक्ताओं को देता है वहीं विज्ञापन की चकाचौंध में ग्राहक प्रायः असली माल खरीदने से वंचित रह जाते हैं। क्या आप इस तथ्य से सहमत हैं ? तर्क सहित लिखिए।

(vi) निम्नलिखित में से किसी एक पर मौलिक कहानी लिखिए–

(a) 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे'

(b) एक कहानी जिसका अंतिम वाक्य होगा ..... ''और अब वह शांतिपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकता था।''

Question 2

Read the passage given below carefully and answer the questions that follow, using your own words in Hindi :

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और अपने शब्दों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिए :–

ज्ञान–प्राप्ति के अनन्तर महात्मा बुद्ध ने अपना उपदेश सारनाथ में दिया। उसमें उन्होंने कहा– ''जीवन के दो मार्ग हैं। एक मार्ग पर चलकर लोग सुख–साधनों को जुटाते हैं और भोगों से लिपटे रहते हैं। यह जीवन को सुखी नहीं बनाता। दूसरा मार्ग त्याग का है, तपस्या का है। इस पर चलकर लोग शरीर को कठोर यातनाएँ देकर भी अपने आपको सुखी नहीं बना पाते। अतः ज्ञान–प्राप्ति के लिए, मानिक सुख–शान्ति के लिए बीच का मार्ग ही श्रेयस्कर है। बुद्ध का यही सिद्धांत मध्यम मार्ग के नाम से प्रसिद्ध है। कहते हैं कि महात्मा बुद्ध जहाँ बोधिवृक्ष के नीचे ध्यान–मग्न बैठे थे, उस मार्ग से एक भजन–मण्डली जा रही थी। गीत की स्वर–लहरी वातावरण को गुंजित कर रही थी। सहसा समाधिस्थ बुद्ध के कानों में गायिका के गीत के मधुर स्वर गूँज उठे– 'वीणा के तारों को ढीला न छोड़ो, नहीं तो उससे मधुर स्वर नहीं निकलेगा और न उन्हें इतना कसो कि वे टूट ही जाएँ।' इन शब्दों से बुद्ध को मध्यम –मार्ग की प्रेरणा मिली। उन्होंने अनुभव किया कि न तो भोगों से पूर्णतया तृप्ति हो सकती है और न भोगों को पूर्णरूप से त्यागा जा सकता है। अतः जीवन के लिए भोग और त्याग के बीच का मार्ग ही श्रेयस्कर है।

महात्मा बुद्ध का चिन्तन सरल और स्वाभाविक था। उनके मत में ऊँच–नीच का भेदभाव न था। राजा से लेकर रंक तक उनके लिए समान थे। उन्होंने धर्म के बाह्याडम्बरों की अपेक्षा आन्तरिक शुद्धि पर बल दिया। यज्ञ में दी जाने वाली पशुबलि का उन्होंने विरोध किया। जन–साधारण की भाषा में उन्होंने अहिंसा और प्रेम का जो उपदेश दिया, उसने जादू का काम किया और देखते ही देखते लाखों नर–नारी उनके अनुयायी बन गये। पैंतालीस वर्षों तक उन्होंने घूम–घूमकर अपने अमृतमय उपदेशों से जन–कल्याण किया।

महात्मा बुद्ध जीवन के अस्सी वर्ष पार कर चुके थे। शरीर दिन पर दिन क्षीण होता जा रहा था। अन्त में उन्होंने कुशीनगर की ओर प्रस्थान किया। कुशीनगर पहुँचते –पहुँचते उनका शरीर निढाल हो गया। उनके प्रिय शिष्य भिक्षु आनन्द ने उनके लिए शय्या तैयार की। वह उस पर लेट गये। शिथिलता बढ़ती जा रही थी। निर्वाण की घड़ियाँ आ पहुँची थीं। यह देख आनन्द की आँखों से आँसू फूट पड़े। बोले–"देव! अब हमारा मार्गदर्शन कौन करेगा ?" बुद्ध ने आँखें खोली। बोले–"आनन्द! तुम्हारे सामने विशाल कर्म–क्षेत्र है। जरा, रोग और मृत्यु से त्रस्त मानवता को अहिंसा और प्रेम का मार्ग दिखाओ। क्यों भूलते हो संसार नश्वर है। जन्म के बाद मृत्यु और मृत्यु के बाद जन्म प्रकृति का अटल नियम है। रही मार्ग–दर्शन की बात। कौन, किसका मार्ग–दर्शन करता है ? कौन किसका मार्ग–दर्शन कर सकता है ? अप्पदीपो भव– अपना दीपक आप बनो।" यह कहते हुए तथागत सदा के लिए समाधिस्थ हो गये। वातावरण शोक से भर गया। तथागत के निष्पन्द पार्थिव शरीर के चारों ओर खड़े भिक्षु आँसू बहा रहे थे। रह–रहकर उनके कानों में तथागत के शब्द गूँज रहे थे–"भिक्षुओं! मुझ पर विश्वास मत करना। मैं जो कहता हूँ उस पर भी इसलिए विश्वास मत करना कि मैंने कहा है। सोचना, विचारना और अपने अनुभव की कसौटी पर जो खरा उतरे, वही करना।"

i) मध्यम मार्ग से आप क्या समझते हैं ? महात्मा बुद्ध को मध्यम–मार्ग की प्रेरणा कैसे मिली ? [3]

ii) महात्मा बुद्ध ने शोकाकुल भिक्षु को क्या उपदेश दिया ? इससे हमें क्या शिक्षा मिलती है ? [3]

iii) 'तथागत' के शब्द क्या थे ? [3]

iv) "ज्ञान प्राप्ति के अनन्तर महात्मा बुद्ध ने अपना उपदेश सारनाथ में दिया।"

a) इस कथन में किसने उपदेश दिया था ? [1]

i) महात्मा आनंद ने ii) महात्मा ज्ञान ने

iii) महात्मा बुद्ध ने iv) महात्मा बुद्धी ने

b) महात्मा बुद्ध ने अपना उपदेश कहाँ दिया ? [1]

i) सारनाथ में ii) सोमनाथ में

iii) सरोजनाथ में iv) समितनाथ में

c) महात्मा बुद्ध ने जीवन के कितने मार्ग बताए हैं– [1]

i) एक मार्ग ii) दो मार्ग

iii) तीन मार्ग iv) चार मार्ग

v) "महात्मा बुद्ध का चिन्तन सरल और स्वाभाविक था।"

a) महात्मा बुद्ध का जीवन कितने वर्ष पार कर चुका था ? [1]

i) 80 वर्ष ii) 89 वर्ष

iii) 85 वर्ष iv) 88 वर्ष

b) 'अप्प दीपो भव' का क्या अर्थ है ? [1]

i) अपना दीपक आप बनो।

ii) अपना नियम अपनाओ।

iii) अपना प्रेम आप बनो।

iv) अपना उपदेश आप बनो।

c) महात्मा बुद्ध ने अंत में किस नगर को प्रस्थान किया ? [1]

i) कोशिनगर ii) कुशीनगर

iii) काशीनगर iv) आनन्दनगर

Question 3

(A) The following sentences and rewrite as per the instructions given:

निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार लिखिए–

i) निम्नलिखित वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए :– [1]

प्रवीन आपका बहुत सम्मान करता है।

ii) रिक्त स्थान में सही शब्द भरिए :– [1]

हमारा लक्ष्य उत्तम चरित्र ..... होना चाहिए।

(iii) निम्नलिखित वाक्य में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए– [1]

(a) बैल और बकरी घास चरती है।

(b) बैल और बकरी घास चरते हैं।

(c) बैल और बकरी घास चरता है।

(d) बैल और बकरी घास चरती थी।

(iv) निम्नलिखित वाक्य में से अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए :– [1]

(a) लोग क्या कहते हैं –इस पर ध्यान मत दो।

(b) आपका अभिनय वास्तव में सराहनीय था।

(c) हिमालय एक पर्वत मात्र नहीं है।

(d) इस गाँव का प्रधान सत्यनिष्ठ व्यक्ति है।

(v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द के लिए सही शब्द का चयन कीजिए :– [1]

<u>कर्मवान</u> व्यक्ति को सफलता अवश्य मिलती है।

(a) कर्मवीर (b) कर्मवीन

(c) कल्पनीय (d) कर्मधीर

(B) Use the Idioms in the sentences as per the instructions given :

निर्देशानुसार मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(i) निम्नलिखित मुहावरे से वाक्य बनाइए– [1]

घाव पर नमक छिड़कना

(ii) निम्नलिखित मुहावरे को शुद्ध कीजिए– [1]

उन्नीस इक्कीस का अंतर होना।

(iii) निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए– [1]

'स्वतंत्रता दिलाने के लिए अनेक देशभक्त ..... गए।'

(a) जहर को पिया।

(b) जान पर खेलना।

(c) चिकना घड़ा।

(d) घी के दिए जलाना।

(iv) निम्नलिखित वाक्य के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए :– [1]

'कल जब मेरे छोटे से घर में अतिथि अपने चार बच्चों के साथ आए तो उनके बच्चों की धमा–चौकड़ी ने मुझे परेशान कर दिया।'

(a) नाक में दम करना।

(b) रोड़ा अटकाना।

(c) नाक नीचे करना।

(d) नाक पकड़ना।

(v) निम्नलिखित मुहावरे के सही अर्थ का चयन कीजिए :– [1]

थाली का बैंगन।

(a) अस्थिर व्यक्ति।

(b) कष्ट उठाना।

(c) तंग करना।

(d) लज्जित होना।

SECTION - B

LITERATURE [40 Marks]

(Answer four questions from this section on any three out of the four prescribed textbooks.)

पाठ्यक्रम में निर्धारित चार पुस्तकों में से किन्हीं तीन पुस्तकों के चार प्रश्न के उत्तर इस भाग से दीजिए।

गद्य संकलन

Question 4

"मैं कह नहीं रही थी कि छुट्टी मिली नहीं कि वह दौड़ा ना आएगा? अम्मा के मारे उसके प्राण सूखते हैं।"

(i) नर्बदा ने अम्मा से क्या कहा ? [1]

(ii) अम्मा ने नर्बदा को क्या उत्तर दिया ? [2]

(iii) रामेश्वर के बारे में अम्मा क्या कहती हैं ? [2]

(iv) अम्मा के मुँह से एक सर्द आह सी क्यों निकल कर रह गई ? [5]

Question 5 [10]

'शरणागत' कहानी के आधार पर राजा ठाकुर का चरित्रांकन कीजिए।

Question 6

युवक ने गद्‌गद स्वर में कहा– भैया, रुपया पैसा हाथ का मैल है कहाँ आता है, कहाँ चला जाता है, मनुष्य नहीं मिलता।'' उक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करते हुए कथन के संबंध में अपने विचार लिखें। [10]

काव्य मंजरी

Question 7

कहन लागे मोहन मैया–मैया।

नंद महर सौं बाबा–बाबा, अरु हलधर सौं भैया।

ऊँचे चढ़ि–चढ़ि कहति जसोदा,

लै लै नाम कन्हैया।

दुरि खेलन जनि जाहु लला रे,

मारेगी काहु की गैया।

गोपी ग्वाल करत कौतूहल,

घर–घर बजति बधैया।।

(i) कौन क्या कहने लगे ? [1]

(ii) जसोदा कृष्ण से क्या कह रही हैं ? [2]

(iii) सूर की भक्ति का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(iv) प्रस्तुत पद्यांश का अर्थ लिखिए। [5]

Question 8 [10]

कवि ने परिश्रम को भाग्य से बड़ा किस प्रकार सिद्ध किया है ? इस विषय पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कीजिए।

Question 9 [10]

'अंधेरे का दीपक' कविता में बच्चन जी का आस्थावादी स्वर किस प्रकार मुखरित हुआ है ? उदाहरण देकर समझाइए।

सारा आकाश (उपन्यास)

Question 10

"इस इम्तिहान की याद मत दिलाया कर। मेरी जान निकल जाती है, पता नहीं पास भी होंगे या नहीं। फेल ही हो गए तो सचमुच, हमें मरने की भी जगह नहीं है।"

(i) उक्त कथन कौन, किससे, कब कह रहा है ? [1]

(ii) यहाँ किस इम्तिहान की क्या बात हो रही है ? [2]

(iii) वक्ता का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(iv) दिवाकर का चरित्र–चित्रण कीजिए। [5]

Question 11 [10]

समर नवल किशोर जी के घर क्यों गया था ? वहाँ उसकी पत्नी ने उससे क्या कहा और क्यों ? समझाकर लिखिए।

Question 12 [10]

अम्मा की चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

#####